NT>
Title: Need to bring legislation to provide statehood to Vananchal.

श्री राम टहल चौधरी (रांची) : सभापति महोदय, भारत सरकार ने बिहार में अलग वनांचल बनाने का वायदा किया, पूर्व बिहार विधान सभा से प्रस्ताव पारित होकर यहां आया, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई प्रगति देखने को नहीं मिल रही है। यहां पर सरकार ए द्वारा बार-बार कहा जा रहा है कि इसी सत्र में वह प्रस्ताव लाया जाएगा और बिहार में एक अलग झारखंड राज्य का निर्माण किया जाएगा, लेकिन कोई विशेष प्रयास नहीं किए जा रहे हैं जिसके कारण वहां की जनता आंदोलित है।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: If you all behave like this, how can I control the House?

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: There are 25 other hon. Members who have given notices on the same subject alongwith Shri Ram Tahal Choudhury. I will be calling them also.

... (Interruptions)

श्री राम टहल चौधरी : सभापति महोदय, वहां अलग झारखंड राज्य बनाने के लिए रोजाना धरने एवं प्रदर्शन हो रहे हैं जिसके कारण वहां की स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है। वहां अलग राज्य बनाने की मांग अनेक वर्ष से चली आ रही है। यदि वहां अलग राज्य नहीं बनाया जाएगा, तो स्थिति बद से बदतर हो जाएगी।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not disturb the House. I am calling the names of Members which are already listed here. I will not deviate from this list.

... (Interruptions)

श्री राम टहल चौधरी : सभापति महोदय, वहां स्थिति बहुत गंभीर हो गई है। ... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): सभापति महोदय, ये लोग वहां की सरकार से बात क्यों नहीं करते। आप बिहार राज्य का बंटवारा करना चाहते हैं।

... (व्यवधान)

>

MR. CHAIRMAN: Shri Prabhunath Singh, this is `Zero Hour'. Please do not disturb the House. ... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: It is a long list and there are 44 names in the list.

... (Interruptions)

श्री राम टहल चौधरी :सभापति महोदय, हम अपनी बात कर रहे हैं। वहां की स्थिति बिगड़ती जा रही है। इसलिए हम आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं कि वहां अलग राज्य का विधेयक इसी सत्र में लाया जाए।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): सभापति महोदय, ये यहां सरकार पर प्रैशर डालकर ये लोग वहां पर राज्य का बंटवारा करना चाहते हैं। इनकी यह बात नहीं चलने दी जाएगी।

... (व्यवधान)

प्रो. रीता वर्मा (धनबाद): सभापति जी, आप मंत्री जी से आश्वासन दिलवाइये। ... (व्यवधान) खुराना जी आप हम लोगों को कोई जवाब दीजिए।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: There are 25 Members who have given the notices on this subject. So, I will only be calling them. They can just stand up and say, "We associate." Then, I will ask if at all the hon. Minister wants to react. Now, Shri R.L.P. Verma.

>

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा): सभापति जी, वनांचल के इश्यू पर ही हम सबने नोटिस दिया है। मैं चाहता हूं कि खुराना जी इस बारे में जवाब दें।

... (व्यवधान)

>

श्री धीरेन्द्र अग्रवाल (चतरा) : सभापति जी, वनांचल के मुद्दे पर हम सरकार से कहना चाहते हैं कि यह बिल इसी सत्र में आये।

... (व्यवधान)

>

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव (गोड्डा): सभापति जी, मैं चाहता हूं कि मंत्री जी इस पर बोलें और आश्वासन दें कि वनांचल का बिल इसी सत्र में लाया जायेगा।

>

प्रो. रीता वर्मा : सभापति जी, वनांचल का बिल इसी सत्र में आना चाहिए। यह जरूरी है।

... (व्यवधान)

>

श्रीमती आभा महतो (जमशेदपुर) : सभापति जी, वनांचल का बिल इसी सत्र में आना चाहिए, जो बहुत जरूरी है और वहां की जनता की मांग है। मंत्री जी इस बारे में जवाब दें।

... (व्यवधान)

>

श्री ब्रजमोहन राम (पलामू) : सभापति जी, वनांचल का बिल इसी सत्र में आये। ... (व्यवधान) हम मंत्री जी से जवाब चाहते हैं।

... (व्यवधान)

वे इसका जवाब दें। ... (व्यवधान)

>

श्री सोम मरांडी (राजमहल) : सभापति जी, वनांचल विधेयक इसी सत्र में आना चाहिए। मंत्री जी इसका जवाब दें।

... (व्यवधान)

संयुक्त रूप से हमारा कहना है कि वनांचल विधेयक इसी सत्र में आना चाहिए।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: All right.

>

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : सभापति जी, हम आपसे आग्रह करना चाहते हैं कि वर्तमान में हमारे वनांचल क्षेत्र में चार दिन की नाकेबंदी रही। वहां पर वनांचल विधेयक नहीं आने से काफी लोगों में आक्रोश है । ऐसी स्थिति में माननीय मंत्री महोदय से आग्रह है कि वनांचल विषय पर वक्तव्य देने की कृपा करें ताकि वनांचलवासियों का सरकार के प्रति व्श्वास बढ़े और उनकी मांग को सही दिशा मिल सके ।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Do not shout like this.

क्या आपका मामला भी इसी से संबंधित है?

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): जी, इसी से संबंधित है।

सभापति महोदय : इसके बारे में आपने नोटिस नहीं दिया है।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आपका इस संबंध में नोटिस नहीं है।

... (व्यवधान)

>

श्री मदन लाल खुरानाः मैं केवल वनांचल के बारे में ही नहीं

... (व्यवधान)

आप पूरी बात तो सुन लीजिए।

... (व्यवधान)

देश की जनता तीनों के बारे में सुनना चाहती है। आप पूरी बात तो सुनें। ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: All right. You associate with it. Do not make a speech now. Does the Minister want to react?

श्री मदन लाल खुरानाः सभापति जी, मेरा निवेदन है कि हमारे नैशनल एजेंड़े में छत्तीसगढ़, वनांचल और उत्तराखंड है। चूंकि उत्तराखंड के बारे में जार्ज फर्नान्डीज की अध्यक्षता में ऊधम सिंह नगर के बारे में एक कमेटी बैठी हुई है जिसकी रिपोर्ट शायद अगले हफ्ते आ जाये। वनांचल के बारे में वहां की असेम्बली ने बहुमत से दूसरा ही व्यू लिया है लेकिन वह व्यू हमारे ऊपर बाइंडिंग नहीं है। ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, please confine to the Vananchal issue.

श्री मदन लाल खुरानाः अब चूंकि वह व्यू ले लिया, मेरी आज ही माननीय आडवाणी जी से बातचीत हुई है। बहुत जल्दी शायद इसी सप्ताह कैबिनेट की मीटिंग होगी। ... (व्यवधान) आप इसका प्रोसीजर तो सुन लीजिए।

... (व्यवधान)

कैबिनेट की मीटिंग के बाद इसे यहां पर आना है इसलिए इसी सप्ताह कैबिनेट की मीटिंग होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि इसी सप्ताह मीटिंग होगी तो मैं आशा करता हूं कि अगले सप्ताह तीनों बिल, उत्तरांचल का बिल, छत्तीसगढ़ का बिल और वनांचल का बिल आयेगा।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: After exhausting all the names, I will call you.

सभापति महोदय : मैं आपको बुलाऊंगा लेकिन अभी नहीं।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: After exhausting all the names, I will call you.

मैं आपको बाद में बुलाऊंगा।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति जी, अभी बिहार से संबंधित मामला उठा है और हम बिहार के सांसद हैं। हमारे राज्य के बंटवारे का सवाल है। आप हमारी भावनाओं को तो सुनें।

... (व्यवधान)

हम आपसे कहना चाहते हैं कि

... (व्यवधान)

माननीय मंत्री खुराना जी ने अभी कहा कि

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बहुत सीनियर मैम्बर हैं। जीरो आवर में कोई न कोई मैम्बर कोई मुद्दा उठाते हैं तो सरकार का रिएक्शन होता है।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Now, I am on my legs.

आप कम से कम रूल्स का तो पालन करिये।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : मैं आपसे बता रहा हूं कि आप तो सीनियर मैम्बर हैं। आपकी तरह दूसरे माननीय मैम्बर्स भी हैं। जब कभी कोई मैम्बर जीरो ऑवर में कोई मुद्दा उठाता है तो सरकार की तरफ से रिएक्शन होता है। उसके बारे में कोई बहस यहां पर नहीं होती है, यह आपको मालूम है।

... (व्यवधान)

मेरी पूरी बात सुनिए।

... (व्यवधान)

यदि इसके बारे में आपको कुछ कहना है तो यह लिस्ट ऐग्ज़ॉस्ट होने के बाद कहिए। मैं मना नहीं करता, मैं आपको चांस दे दूंगा लेकिन जिन लोगों ने सुबह आकर नाम दिए हैं, जिनके नाम यहां लिखे हैं, उनको छोड़कर मैं आपको चांस नहीं दे सकता। मुझे यहां बैठकर उनके साथ न्याय करना है और आप उसका

पालन करने में मुझे मदद दें। मैं आपको बुलाऊंगा लेकिन अभी नहीं।

... (व्यवधान)

आप जबरदस्ती नहीं करेंगे।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति महोदय, मैं जबरदस्ती नहीं कर रहा हूं। ... (व्यवधान) माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया है। हम उनसे कहना चाहते हैं कि बिहार का बंटवारा करने के पहले देश के बंटवारे का प्रस्ताव लाएं।

... (व्यवधान)

भारतीय जनता पार्टी की सरकार अगर राज्य बंटवारे और देश बंटवारे के लिए केन्द्र में बनी हुई है तो बिहार का बंटवारा इस तरह नहीं हो सकता।

... (व्यवधान)

इन्हें पहले देश के बंटवारे का प्रस्ताव लाना पड़ेगा।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record except Shri Pary Mohan's submission.

(Interruptions)*

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): सरकार की इस बात पर हम सदन से वाक आउट करते हैं।

... (व्यवधान)

12.46 hrs.

(Shri Prabhu Nath Singh and other hon. Members then left the House)